PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, New Delhi
Wednesday 25th November 2015, Page: 2
Width: 24.98 cms, Height: 9.74 cms, a4r, Ref: pmin.2015-11-25.37.16

मेक इन इंडिया स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्टार्टअप इंडिया पर दिया जाएगा ध्यान, आईआईटी दिल्ली में होगी रिसर्च, आर्थिक मदद देगा फाइजर

देश में ही बनाई जाएंगी सस्ती दवाएं, स्टार्टअप पर जोर

- दवाओं के साथ तकनीक के विकास पर भी रहेगा जोर
- 4 स्टार्टअप व 10 प्रोजेक्ट पर होगा फोकस

नई दिल्ली (ब्यूरो)। स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्टार्टअप इंडिया को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली और स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्रिय अग्रणी संस्थान फाइजर ने कदम बढ़ाया है। देश की युवा प्रतिभा को उसके उपयोगी आइडिया को विकसित करने से लेकर उससे पेटेंट कराने तक का काम इस प्रयास के अंतर्गत होगा। खास बात ये है कि इस साझा प्रयास के माध्यम से साल में दो बार 4 नए स्टार्टअप व 10 प्रोजेक्ट को पूरा करने की कोशिश की जाएगी।

मंगलवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इस शुरुआत की जानकारी देते हुए डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल पॉलिसी एंड प्रमोशन के सचिव अमिताभ कांत बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया की बात कर रहे हैं और अब वे चाहते हैं कि स्टार्टअप इंडिया पर जोर दिया जाए। उनकी इसी सोच को पूरा करने में आईआईटी दिल्ली व फाइजर की ये कोशिश बेहद उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि जहां तक सरकार की बात है हम लगातार देश में होने वाली नई खोजों व नए शोध को पेटेंट कराने की प्रक्रिया को सरल बनाने में जुटे हैं और इसके लिए न सिर्फ अलग से लोगों को नियुक्त करने की तैयारी की जा रही है, बल्कि हम पेटेंट नियमों में भी आवश्यक बदलाव करने जा रहे हैं। इस मौके पर उपलब्ध आईआईटी दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर स्ट्रेटजी एंड प्लानिंग प्रो.एसके कौल ने कहा कि इस प्रयास के माध्यम से नई प्रतिभा को अपनी सोच को साकार करने में विशेषज्ञों का साथ मिलेगा और यकीनन इसका लाभ देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को होगा।

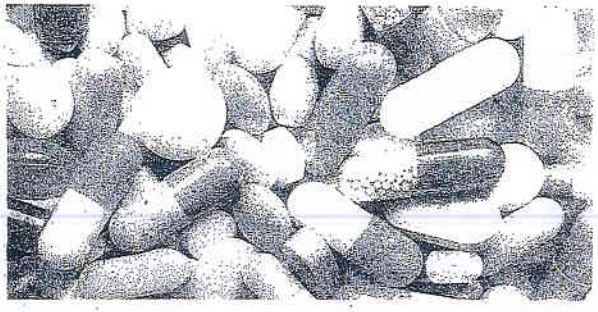

आईआईटी दिल्ली में उपलब्ध फाउंडेशन ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) के प्रमुख प्रो. अनिल वाली ने बताया कि इस प्रयास के अंतर्गत हम नए स्टार्ट व विद्यार्थियों व प्रोफेशनल के आइडिया को विकसित करने में मदद करेंगे। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत साल में दो बार चयन प्रक्रिया की जाएगी और हर बार 4 स्टार्ट जिन्हें कैम्पस में रहकर अपने आइडिया को विकसित करने और फिर से पेटेंट कराने तक का अवसर मिलेगा। इसके अलावा 10 ऐसे प्रोजेक्ट पर भी हम काम करेंगे जिनमें पूर्व में हुए काम में संशोधन, सुधार पर पेटेंट संबंधी अनिवार्यताओं की जरूरत शेष है।

उपचार के नए माध्यमों पर भी होगा काम

स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस प्रयास के माध्यम से न सिर्फ तकनीकी मोर्चे पर, बल्कि उपचार के अन्य जरूरी माध्यमों के स्तर पर नए स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा। हालांकि इसके लिए आने वाले आवेदकों को स्क्रीनिंग की प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसके अलावा इस प्रोजेक्ट में मिलने वाली आर्थिक मदद में सभी प्रोजेक्ट पर आने वाले सभी खर्च शामिल होंगे और इसकी अधिकतम सीमा 50 लाख रुपए निर्धारित की गई है।

Startups to manufacture cheaper medicines in the country

Industry